विषय-सूची

आमुख 5

1. भूमिका 11-55

(क) सतसई साहित्य का इतिहास

(ख) सतसई साहित्य के स्रोत (संस्कृत तथा प्राकृत ग्रन्थ)

(ग) हिन्दी सतसइयों पर प्रभाव

(अ) गाथा सप्तशती का प्रभाव

(आ) बिहारी सतसई का प्रभाव

(घ) सतसई साहित्य के निर्माण हेतु

(ङ) प्रस्तुत अध्ययन का महत्त्व

गाथा सप्तशती का इतिहास

2. रस तथा भाव-विवेचन 56-148

(क) (1) शृंगार रस का स्थायी भाव

(2) शृंगार रस के विभाव

(3) शृंगार रस के अनुभाव

(4) संचारी भाव

(5) शृंगार रस का परिपाक

(6) शृंगार रस के भेद

(ख) भाव-विवेचन

3. भाषा शैली 149-192

1. शब्द-शक्तियाँ–(1) व्यंजना-प्रधान अलंकृत शैली. (2) व्यंजना प्रधान अनलंकृत शैली, (3) कल्पना प्रधान ऊहात्मक शैली।

2. पद-संरचना
3. समास योजना
4. वाग्वैदग्ध्य
5. उक्ति वैचित्र्य
6. लोकोक्तियाँ तथा मुहावरे।

4. अलंकार–वैचित्र्य 193-211

1. शब्दालंकार
2. अर्थालंकार–सादृश्य मूलक अलंकार; वैषम्य मूलक अलंकार; शृंखला मूलक अलंकार; तथा न्याय मूलक अलंकार।

5. ध्वनि-योजना 212-227

बिहारी-सतसई में ध्वनि योजना–(1) अविवक्षित वाच्य, (2) विवक्षतान्यपर वाच्य ध्वनि, (क) शब्द शक्ति मूलक वस्तु ध्वनि का उदाहरण, (ख) अर्थशक्ति मूलक वस्तु ध्वनि का उदाहरण, (ग) शब्द शक्ति-मूलक अलंकार ध्वनि (घ) अर्थ शक्ति मूलक अलंकार ध्वनि। (3) उभय शक्ति मूलक ध्वनि।

6. मुक्तक-काव्य की दृष्टि से अध्ययन 228-256

काव्य शैली के रूप, मुक्तकों का वर्गीकरण, विशुद्ध मुक्तक, संघात-मुक्तक, रूप विधान की दृष्टि से गाथा सप्तशती तथा बिहारी सतसई की तुलना।

7. प्रकृति-चित्रण 257-283

गाथा सप्तशती में प्रकृति चित्रण, बिहारी सतसई में प्रकृति-चित्रण।

8. सामाजिक तत्त्व 284-309

(1) जीवन दर्शन, (2) आचार-विचार, (3) जीविका के साधन, (4) खान-पान, (5) वस्त्राभूषण तथा रहन-सहन, (6) त्योहार एवं उत्सव, (7) क्रीड़ा विनोद के साधन, (8) नारी के प्रति दृष्टिकोण।

9. दार्शनिक विचार और नीति-विषयक सूक्तियाँ 310-326

1. (क) गाथा सप्तशती में दार्शनिक तत्त्व
   (ख) बिहारी सतसई में दार्शनिक तत्त्व
   (ग) तुलनात्मक निष्कर्ष
2. नीति विषयक सूक्तियाँ
   (क) गाथा सप्तशती में नीति-विषयक सूक्तियाँ
   (ख) बिहारी सतसई में नीति-विषयक सूक्तियाँ
   (ग) तुलनात्मक निष्कर्ष

10. उपसंहार 327-331

सहायक ग्रंथ 332-336